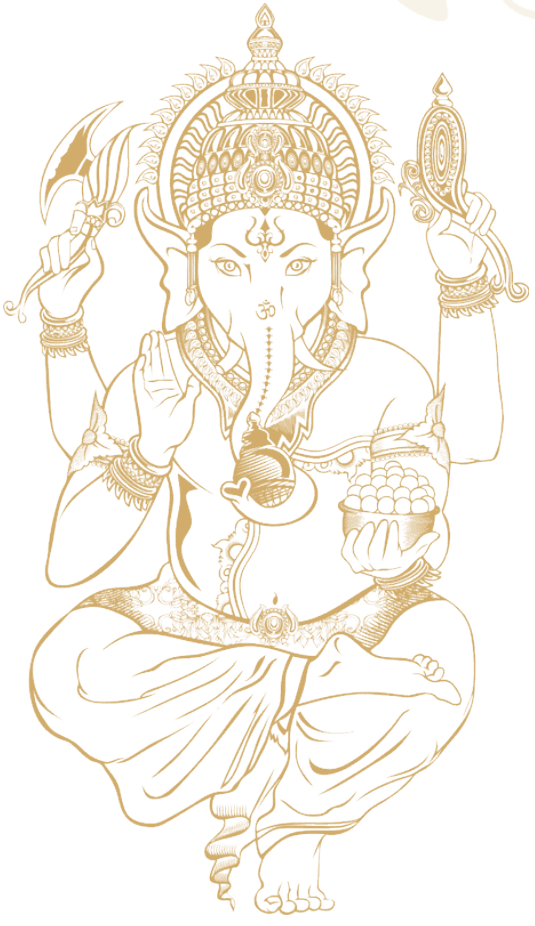

Mani Gupta

23 Jun 2000

07:15 PM

Kanpur

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121890211

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/06/2000**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:15:00 घंटे**
इष्ट	34:58:25 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	80:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:07:44 घंटे
वेलान्तर	-00:02:13 घंटे
साम्पातिक काल	13:15:52 घंटे
सूर्योदय	05:15:38 घंटे
सूर्यास्त	19:03:19 घंटे
दिनमान	13:47:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	08:31:25 मिथुन
लग्न के अंश	12:11:07 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:11:07	340:48:25	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	08:31:25	00:57:14	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	21:22:33	12:23:35	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	10:51:36	00:40:02	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध	व		मिथु	26:06:02	00:00:59	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	स्वराशि
गुरु			वृष	04:42:28	00:12:57	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मिथु	11:50:55	01:13:43	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			वृष	01:58:19	00:06:44	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु			कर्क	00:54:32	00:01:12	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु			मक	00:54:32	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:37:48	00:01:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:11:02	00:01:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:06:27	00:01:29	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कन्या	26:40:36	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:34

लग्न-चलित

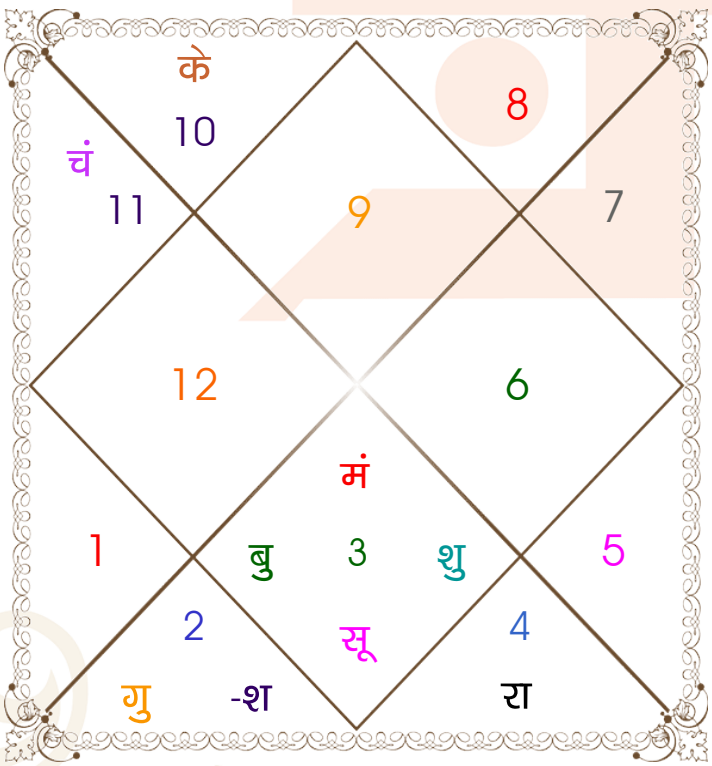

चन्द्र कुंडली

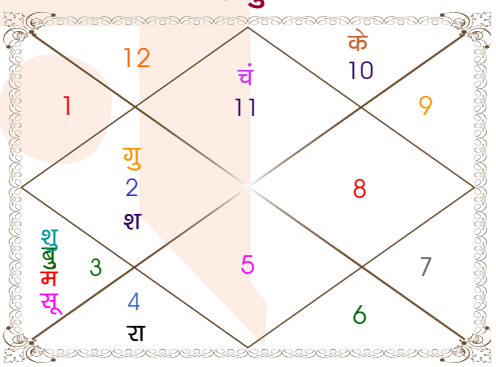

नवमांश कुंडली

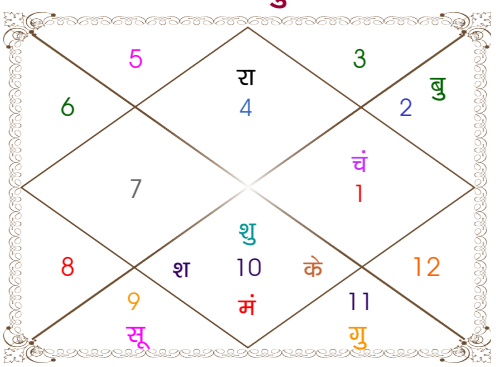

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 4 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/06/2000		29/10/2014		29/10/2033		29/10/2050		29/10/2057	
29/10/2014		29/10/2033		29/10/2050		29/10/2057		29/10/2077	
गुरु	16/12/2000	शनि	01/11/2017	बुध	27/03/2036	केतु	27/03/2051	शुक्र	28/02/2061
शनि	30/06/2003	बुध	11/07/2020	केतु	24/03/2037	शुक्र	27/05/2052	सूर्य	28/02/2062
बुध	05/10/2005	केतु	20/08/2021	शुक्र	23/01/2040	सूर्य	01/10/2052	चंद्र	30/10/2063
केतु	11/09/2006	शुक्र	20/10/2024	सूर्य	28/11/2040	चंद्र	02/05/2053	मंगल	29/12/2064
शुक्र	12/05/2009	सूर्य	02/10/2025	चंद्र	30/04/2042	मंगल	29/09/2053	राहु	29/12/2067
सूर्य	28/02/2010	चंद्र	03/05/2027	मंगल	27/04/2043	राहु	17/10/2054	गुरु	29/08/2070
चंद्र	30/06/2011	मंगल	11/06/2028	राहु	13/11/2045	गुरु	23/09/2055	शनि	29/10/2073
मंगल	05/06/2012	राहु	18/04/2031	गुरु	19/02/2048	शनि	01/11/2056	बुध	29/08/2076
राहु	29/10/2014	गुरु	29/10/2033	शनि	29/10/2050	बुध	29/10/2057	केतु	29/10/2077

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/10/2077		30/10/2083		29/10/2093		30/10/2100		30/10/2118	
30/10/2083		29/10/2093		30/10/2100		30/10/2118		00/00/0000	
सूर्य	16/02/2078	चंद्र	29/08/2084	मंगल	27/03/2094	राहु	13/07/2103	गुरु	24/06/2120
चंद्र	17/08/2078	मंगल	30/03/2085	राहु	15/04/2095	गुरु	06/12/2105		00/00/0000
मंगल	23/12/2078	राहु	29/09/2086	गुरु	21/03/2096	शनि	12/10/2108		00/00/0000
राहु	17/11/2079	गुरु	29/01/2088	शनि	29/04/2097	बुध	01/05/2111		00/00/0000
गुरु	04/09/2080	शनि	29/08/2089	बुध	27/04/2098	केतु	18/05/2112		00/00/0000
शनि	17/08/2081	बुध	29/01/2091	केतु	23/09/2098	शुक्र	19/05/2115		00/00/0000
बुध	23/06/2082	केतु	30/08/2091	शुक्र	23/11/2099	सूर्य	12/04/2116		00/00/0000
केतु	29/10/2082	शुक्र	29/04/2093	सूर्य	31/03/2100	चंद्र	12/10/2117		00/00/0000
शुक्र	30/10/2083	सूर्य	29/10/2093	चंद्र	30/10/2100	मंगल	30/10/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 3 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।